दिवाली के दौरान पटाखों से आंखों को नुकसान और बचाव

डॉ दिव्या जैन
अतिरिक्त प्रोफेसर, नेत्र विज्ञान, पीजीआईसीएच

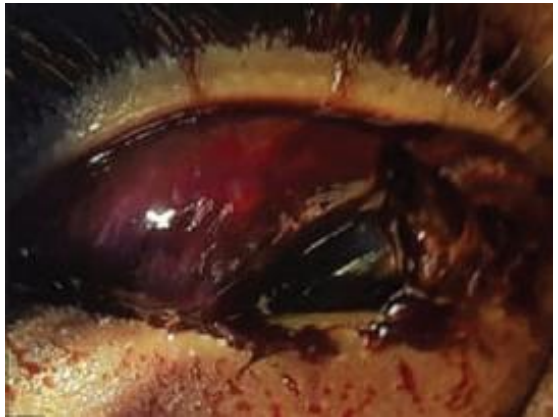

आंकड़े

- आंखों में लगने वाली चोटों लगभग 20% प्रतिशत में आतिशबाजी के कारण होती है
- बम, उसके बाद फुलझड़ियाँ
- गंभीर नेत्र संबंधी चोटों के लिए बोतल रॉकेट और बम जिम्मेदार
- 60% दर्शक

दिवाली के दौरान क्या करें?

- पटाखों से पूरी तरह परहेज करें
- बोतलबंद रॉकेटों से बचें, जिन्हें पटाखा किस्मों में सबसे खतरनाक माना जाता है
- पटाखे जलाने समय सुरक्षित दूरी बनाए रखें
- सुरक्षात्मक चश्मे का प्रयोग करें
- पटाखे फोड़ते समय कॉन्टेक्ट लेंस पहनने से बचें
- अपनी आंखों को छूने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें
- यदि कोई रसायन आंखों में चला जाए तो तुरंत आंखों और पलकों के नीचे 30 मिनट तक सिंचाई करें

दिवाली के दौरान क्या न करें?

- बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें
- अगर आंख के अंदर कुछ चला जाए तो अपनी आंखों को रगड़ें नहीं
- यदि कोई कण बड़ा है या आंख में फंस गया है तो उसे न हटाएं, और नेत्र चिकित्सक के पास जाएं
- आंख पर कोई भी टाइट पट्टी न लगाएं
- आंख में चोट लगने का संदेह होने पर धीरे से आंखें बंद कर लें। और नेत्र चिकित्सक के पास जाएं

सुरक्षित दिवाली